

नानकपंथी पुं. (देश.+तत्.) नानक-पंथ का अनुयायी
वि. नानक-पंथ संबंधी।

नानकशाह पुं. (देश+फा.) गुरु नानक।

नानकशाही वि. (देश+फा.) 1. गुरु नानक से संबद्ध
2. नानक के मत को मानने वाला

नानकार स्त्री. (फा.) वह जमीन जो सेवक को
पुरस्कार रूप में जीविका-निर्वाह के लिए दी
जाती थी।

नानकीन पुं. (चीनी नानकिङ्.) एक प्रकार का
मटमैला सूती कपड़ा जो पहले चीन में बनता था
और अब अन्य देशों में भी बनने लगा है, यह
'मारकीन' के नाम से प्रसिद्ध है।

नानखताई स्त्री. (फा.) 1. एक प्रकार की मीठी
खस्ता रोटी 2. सूजी या मैदा आदि का बना एक
प्रकार का खस्ता-मीठा बिस्कुट।

नानबाई पुं. (फा.) रोटी बेचने का व्यवसाय करने
वाला।

नानस स्त्री. (देश.) ननिया सास।

नाना पुं. (तद्.) 1. माता का पिता, मातामह 2.
नन्हा बालक 3. छोटा भाई वि. (तत्.) बहुत
प्रकार के, विविध उदा. जलचर थलचर नभचर
नाना (मानस. 1/3/2) 2. बहुत लीमाएँ/कीड़ाएँ जैसे-
प्रभु रंग नाना करत (सूरसागर. 10/3047)। स.क्रि.
1. नवाना, झुकाना 2. अंदर डामना, उँड़ेलना।

नानाकंद पुं. (तत्.) पिंडालू वि. जिसमें से बहुत
जई निकली हों।

नानाकार वि. (तत्.) विविध आकारों वाला।

नानात्मवादी वि. (तत्.) सांख्य दर्शन का अनुयायी
जो यह मानता हो कि व्यक्ति की आत्मा
विश्वात्मा से अलग अस्तित्व रखती है।

नानारूप पुं. (तत्.) अनेक प्रकार के रूप वि. 1.
बहुरूपिया, जिसके अनेक रूप हों 2. जिसके
बहुत प्रकार हों।

नानार्थ वि. (तत्.) 1. वह (शब्द) जिसके अनेक
अर्थ हों 2. वह (वस्तु जो अनेक कार्यों में
प्रयुक्त हो सके।)

नानावर्णता स्त्री. (तत्.) बहुरंगी होने का गुण या
भाव।

नानाविध वि. (तत्.) अनेक प्रकार के।

नानिहाल पुं. (देश.) ननिहाल, नानी का घर।

नानी स्त्री. (देश.) माता की माता, मातामही मुहा.
नानी मरना- उदास हो जाना; नानी याद आ
जाना- बहुत घबरा जाना, बहुत परेशान होना।

ना-नुकर अ.क्रि. (देश.) इनकार करना, किसी कार्य
के लिए मना करना।

नानुसारी वि. (तद्.) अनुसरण न करने वाला।

नान्ह वि. (तद्.) 1. नन्हा, छोटा 2. नीच, अधम
3. बारीक, महीन।

नान्हक पुं. (देश.) नानक, सिख संप्रदाय के प्रवर्तक।

नान्हरिया वि. (देश.) छोटा, नन्हा।

नान्ह वि. (तद्.) नन्हा, छोटा उदा. नान्हँ करि
करि पीस -कबीर, साखी 13/20।

नाप स्त्री. (तद्.) 1. किसी मानदंड के अनुसार
स्थिर की गई किसी वस्तु की लंबाई, चौड़ाई,
गहराई, ऊँचाई, मात्रा आदि 2. परिमाण, माप।

नाप-जोख स्त्री. (तद्.) 1. नापने और तौलने की
क्रिया 2. किसी चीज की लंबाई-चौड़ाई आदि नापने
अथवा किसी चीज या बात का गुरुत्व, मान,
शक्ति आदि आँकने की क्रिया या भाव जैसे-
आजकल देहातों में खेतों की नाप-जोख हो रही है।

नापत स्त्री. (तद्.) नाप।

नाप-तौल स्त्री. (तद्.) 1. नापकर या तौलकर
निर्धारित की गई मात्रा का परिमाण। 2. नापने
और तौलने की क्रिया या भाव 3. माप।

नापना स.क्रि. (तद्.) किसी मानदंड के अनुसार
किसी वस्तु के विस्तार, परिमाण, मात्रा आदि
का निर्धारण करना।